Date 30-4-2021
Page

Ajit Kumar singh
Designation - Assistant Professor
Subject - History & civics Method
Paper Code - CA-1 social science
Course - B.Ed 1st year - 2020-22
College - T.N.A.T.T.C Harigaon, Ara

प्रकरण

पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्धान्त →

पाठ्यक्रम को निर्माण करने के निम्नलिखित प्रमुख सिद्धान्त है जिनके आधार पर इतिहास के पाठ्यक्रम का निर्माण किया जाता है —

1 क्रिया का सिद्धान्त → पाठ्यक्रम क्रिया प्रधान होना चाहिए। बालक का स्वभाव होता है कि क्रिया द्वारा (Learning by doing) सुगमता से सीख लेता है। शिक्षाशास्त्रियों के अनुसार शिक्षा में चार H (Four-H) अर्थात स्वास्थ्य (Health), मस्तिष्क (Head) हाथ (Hand) तथा हृदय (Heart) का स्थान मिलना चाहिए।

2 उपयोगिता का सिद्धान्त —

पाठ्यक्रम का निर्माण करते समय पाठ्यक्रम में सम्पूर्ण जीवन में उपयोगी होने के सिद्धान्त पर होनी चाहिए न कि केवल विद्यालय जीवन तक ही सीमित हो।

Teacher's Signature.....

3 जीवन से संबंध का सिद्धान्त — इतिहास का विषय-वस्तु मानव की ऐतिहासिक क्रियाएँ होती है। उसके घर, परिवार आदि के उदाहरणों का संदर्भ हो।

4 लचीलेपन का सिद्धान्त — पाठ्यक्रम में नवीन तथ्यों एवं अनुभवों का स्थान मिलना चाहिए। अर्थात पाठ्यक्रम समय एवं परिस्थिति के अनुसार लचीला होना चाहिए।

5 विविधता का सिद्धान्त — पाठ्यक्रम-निर्माण करते समय विविधता के सिद्धान्त को भी दृष्टि में रखना आवश्यक है। विद्यार्थियों की रुचियों, योग्यताओं, क्षमताओं एवं विभिन्नताओं आदि की विविधता होना आवश्यक है।

6. विचारोत्तेजकता का सिद्धान्त — पाठ्यक्रम छात्रों की विचार-शक्ति को जाग्रत करने वाला होना चाहिए।